



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 391]
No. 391]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 18, 1988/आषाढ़ 27, 1910
NEW DELHI, MONDAY, JULY 18, 1988/ASADHA 27, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paying is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

नई दिल्ली, 18 जुलाई, 1988

अधिसूचना

सा.का.नि. 797--जबकि महापत्तन न्याम (न्यासियों की फीस और भत्तों का प्रदायगी) (संशोधन) नियमावली, 1987 का प्रारूप भारत सरकार, जल-भूतल परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की अधिसूचना संख्या सा.का.नि. 452(प्र) दिनांक 14 अप्रैल, 1988 के अंतर्गत भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3 उपखण्ड (1) दिनांक 14 अप्रैल, 1988 में प्रकाशित किया गया था जैसाकि महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 की धारा 122 की उपधारा (2) द्वारा अपेक्षित था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से उक्त अधिसूचना के सरकारी

राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पचासीम दिनों की अवधि समाप्त होने तक आपत्तियाँ और सुझाव आमंत्रित किए गए थे जिन पर उसका प्रभाव पड़ने की सम्भावना है,

और जबकि उक्त राजपत्र की प्रतियाँ 29 अप्रैल, 1988 को जन-साधारण को सुलभ करा दी गई थीं; और जबकि उक्त अवधि समाप्त होने से पहले कोई आपत्तियाँ अथवा सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एनद्द्वारा महापत्तन न्यास (न्यासियों को फीस और भत्तों की प्रदायगी) नियमावली, 1981 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थातः—

1. (1) इन नियमों को महापत्तन न्यास (न्यासियों को फीस और भत्तों की प्रदायगी) (संशोधन) नियम, 1988 कहा जाए।

(2) वे सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2 महापत्तन न्यास (न्यासियों को फीस और भत्तों की प्रदायगी) नियमावली, 1981 के नियम 3 में क्लोज (1) में आने वाले शब्दों “पंचम रूप” के स्थान पर शब्द “एक सौ रूप” प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

[फा.सं. पी आर 16011/1/87-पी जी]

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त सचिव

फुट नोट : मूल नियम भारत के राजपत्र सा.ग। नि. 134, दिनांक 28-1-1982 में प्रकाशित किए गए थे।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 18th July, 1988

NOTIFICATION

G.S.R. 797.—Whereas a draft of the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) (Amendment) Rules, 1987 was published, as required by sub-section (2) of section 122 of the Major Port Trusts Act, 1963, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 14th April, 1987 under the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport (Ports Wing) No. G. S. R. 452 (E), dated 14th April, 1988, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 29th April, 1988;

And whereas no objection or suggestions have been received from the public before the expiry of the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules to amend the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1981, namely :—

1. (1) These rules may be called the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) (Amendment) Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 3 of the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rule, 1981, in clause (i), for the words "Rupees fifty" the words "Rupees one hundred" shall be substituted.

[F. No. PR-16011/1/87-PG]

VOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.

